

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

जयपुर @ पदमावत मीडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं



पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शासन सचिवालय में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सचिवालय परिसर में आयोजित राम धुन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम सहित अन्य भजनों का श्रवण किया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने गांधी सर्किल पर अर्पित की पुष्पांजलि

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जेएलएन मार्ग स्थित गांधी सर्किल पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं ने राम धुन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, महापौर सुनील कोठारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

गांधी दर्शन पर निबंध, चित्रकला एवं विचार गोष्ठी आयोजित

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर माय



भारत राजसमंद एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गुडुला के संयुक्त तत्वावधान में निबंध, चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिता एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं आदर्शों पर विचार व्यक्त किए। निबंध प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में नरेंद्र सिंह प्रथम, विक्रम सिंह द्वितीय और महिमा बलाई तृतीय रहे। चित्रकला में राशि सुधार प्रथम, भाविका कुंवर द्वितीय तथा कोमल और पवन संयुक्त रूप से तृतीय रहे। विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि हेमंत कुमार मथुरिया ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा और मानव सेवा के विचारों पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्या डॉ. नीना शेखावत ने शास्त्री जी के सादगी, ईमानदारी और जय जवान, जय किसान के संदेश को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ।

सूखे कुएं में मिली 5 करोड़ रुपए की दवाइयां

जयपुर @ पदमावत मीडिया। भरतपुर के एक गांव में सूखे कुएं से 5 करोड़ रुपए की दवाइयां मिलने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आगरा से दवाइयां लाकर भरतपुर के बयाना तहसील के खटनावाली गांव के सूखे कुएं में छिपाई गई थीं। मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। मामले में सबसे बड़ा नाम दवाइयों के होलसेलर हिमांशु अग्रवाल का है। साल 2025 में भी हिमांशु को नकली दवाओं के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

जिला स्तरीय रोजगार उत्सव में नव नियुक्त कार्मिकों का सम्मान

मुख्यमंत्री के संबोधन का हुआ सजीव प्रसारण, युवाओं को नशे से दूर रहने और लक्ष्य हासिल करने का आह्वान

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

सलूबर। जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया गया। इस दौरान जयपुर के भवानी निकेतन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री के संबोधन एवं कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम में जिले के नव नियुक्त कार्मिकों, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान प्रश्नोत्तरी प्रतिभा पोर्टल का शुभारंभ किया तथा युवाओं को नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने जल संसाधन, कृषि, स्वायत्त शासन, स्कूल शिक्षा, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों से संबंधित विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति युवा शक्ति है। युवा पीढ़ी अमृत पीढ़ी है और यही विकसित भारत-



2047 के संकल्प को साकार करने की ऊर्जा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नशामुक्त युवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि युवा देश का आने वाला भविष्य हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें



प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण युवाओं को शिक्षा एवं अन्य अवसरों के लिए शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम करने के उद्देश्य से अटल सेवा केंद्रों के माध्यम से सुविधाएं उपलब्ध कराने के संकल्प की जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों एवं विद्युत क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए सुशासन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान युवा मामले



एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि युवाओं के भीतर अपार ऊर्जा है और जिस व्यक्ति में अनुशासन होता है, वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने युवाओं से अपने लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धियां अर्जित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपने घर, अपने राज्य और अपने देश को नशामुक्त रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सकारात्मक ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर खेले गए खिलाड़ियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं के भविष्य को बेहतर दिशा मिल रही है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रेरक जीवन यात्रा एवं अनुभव साझा करते हुए युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से भी संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने नशामुक्ति के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों तथा उद्यमिता के माध्यम से आगे बढ़ने के अपने अनुभव साझा किए।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में नव नियुक्त कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सलूबर विधायक शांता देवी अमृतलाल मीणा, जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनैद पी.पी., जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नव नियुक्त कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नोडल प्रभारी एवं उपनिदेशक पशुपालन विभाग डॉ. रविंद्र गोयल ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

कुराबड़ में बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण और एनीमिया रोकथाम को लेकर जागरूकता शिविर

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

कुराबड़। महिला अधिकारिता विभाग की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत ब्लॉक कुराबड़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भालो का गुड्डा में बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं एनीमिया की रोकथाम को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग करना रहा। इस दौरान उपस्थित बालिकाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार परामर्श दिया गया।

शिविर में बालिकाओं को सुंगुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा एनीमिया से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। बालिकाओं को बताया गया कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवाना और खान-पान के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। उन्हें



स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करने तथा समय-समय पर जांच करवाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर कुराबड़ ब्लॉक सुपरवाइजर तरुणा लोहार ने महिला अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने पात्र बालिकाओं एवं महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य बालिकाओं के सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने बालिकाओं को अपनी शिक्षा निरंतर



जारी रखने, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने तथा अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी जानकारी को रूचिपूर्वक सुना और जागरूकता गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में एएनएम कंचन मेघवाल, साधिन निर्मला गर्ग एवं अन्य संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे। विभाग की ओर से आयोजित इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

सेमिनार के अंतिम दिन दो सत्रों में नार्थ ईस्ट की संस्कृति पर गहन चर्चा

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आरआईसी, जयपुर के सहयोग से आरआईसी में आयोजित किए गए दो दिवसीय सेमिनार के दूसरे दिन शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के डॉ. तारो सिंदिक ने हार्पूर्वोत्तर भारत में प्रचलित लोक विश्वास-अरुणाचल प्रदेश के संदर्भ में विषय पर रोचक विवेचन में लोक विश्वास बनने के पीछे की कथाएं बताईं। उन्होंने सृष्टि की उत्पत्ति और विकास के संबंध में अरुणाचल प्रदेश, खासकर वहां के तागिन समुदाय में प्रचलित कुरिगुम-कुलू से रियुम्बिजेंजिंग व रियुमसी, फिर पृथ्वी, आकाश आदि के बनने की लोक कथाएं रोचक ढंग से बताते हुए वहां की संस्कृति पर प्रकाश डाला। इसी सत्र में त्रिपुरा के डॉ. परमीत परना पॉल ने



हज्रिपुरा की राजशाही चित्रकला और पूर्वोत्तर की कलात्मक विरासत विषय पर विशद जानकारी देते हुए बताया कि त्रिपुरा में राजवाड़ा काल में कैसे चित्रकला को प्रोत्साहना मिला, फिर उसके बाद उसका चरणबद्ध विकास कैसे हुआ। इस सत्र का संचालन दिलीप कुमार कलिता ने किया। वहीं, दूसरे और अंतिम सत्र में असम के विशेषज्ञ दिलीप कुमार कलिता ने ह्रद्व्यजन और खान-पान रू पूर्वोत्तर की विशिष्ट पहचान विषय पर बोलते हुए पूर्वोत्तर के खान-पान पर विस्तार से चर्चा की।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सलूबर में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों से किया संवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने पर दिया जोर



पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

सलूबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित समाज कल्याण सप्ताह के तहत अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जयपुर स्थित मुख्यमंत्री आवास से कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित डीओआईटी वीसी कक्ष में किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला, सामाजिक न्याय एवं



अधिकारिता विभाग की अधिकारी ममता जाखड़ सहित अधिकारी-कर्मचारी तथा जिले के अनेक वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज और नई पीढ़ी के लिए अनुभव एवं मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण स्रोत है। उनके जीवन के अनुभव, संघर्ष और जीवन मूल्य युवा पीढ़ी को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक वृद्ध वर्ग तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को डीबीटी के जरिए सीधे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर समाज के उत्थान में योगदान देने वाले वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। साथ ही पात्र लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि उनका सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान और सहयोग की भावना निरंतर बनी रहनी चाहिए। उन्होंने आमजन से वरिष्ठ नागरिकों के लिए समय निकालने, उनके अनुभवों का सम्मान करने तथा उनके प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने पंचायती राज जनप्रतिनिधियों से किया सीधा संवाद

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

सलूबर। पंचायती राज जनप्रतिनिधि सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम के तहत जिला कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सलूबर विधायक शांता अमृतलाल मीणा एवं जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनैद पी.पी. की उपस्थिति में जिले के पंचायती राज जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

सजीव प्रसारण के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के सरपंच एवं पंचायत प्रशासकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि के कार्य करने की अपनी शैली होती है, लेकिन ग्रामीण



विकास के लिए पारदर्शिता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के संबंध में जानकारी ली तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से निडर होकर निष्पक्षता के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर ऐसे अनेक



कार्य किए जा सकते हैं, जिनसे गांव के विकास को नई गति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की सबसे मजबूत इकाई ग्राम पंचायत है और पंचायती राज संस्थाएं देश के विकास की जड़ हैं।

उन्होंने कहा कि गांव का प्रत्येक व्यक्ति अपनी समस्या लेकर सबसे पहले स्थानीय जनप्रतिनिधि के पास पहुंचता है। कोई भी समस्या छोटी नहीं होती, इसलिए प्रत्येक वर्ग की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनते



हुए समाधान के लिए गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से ग्रामीणों की अपेक्षाओं और समस्याओं को करीब से समझने तथा सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संपर्क पोर्टल एवं 181 हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक सुगम बनाया गया है। उन्होंने भ्रष्टाचार

पर अंकुश लगाने को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए पारदर्शिता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रदेश में जल उपलब्धता एवं जल संरक्षण के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों तथा लक्ष्यपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सलूबर विधायक शांता अमृतलाल मीणा ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने तथा विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप

एशिया पैसिफिक ओलंपिक क्वालीफायर के लिए लेक्रोज राष्ट्रीय शिविर जारी

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। सनशाइन कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशिया पैसिफिक महिला एवं पुरुष ओलंपिक क्वालीफायर लेक्रोज प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम का हार्ड परफॉर्मेंस प्रशिक्षण



शिविर आगरा के शारदा वर्ल्ड स्कूल में जारी है। भारतीय टीम के 12 पुरुष और 12 महिला खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की तैयारियों में जुटे हैं।

शिविर में खिलाड़ियों की फिटनेस के साथ टीम संयोजन, तेज निर्णय, स्टैक पार्सिंग, आक्रमण, गोल कन्वर्जन और मजबूत रक्षण पर विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया की प्रशिक्षक नताशा रूनी सहित भारत के शकील खान, नीरज बत्रा और राजपाल रेड्डु खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। फिजियो मयंक शर्मा के सहयोग से फिटनेस, रिकवरी और चोट से बचाव पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

शिविर में देशभर से चयनित खिलाड़ियों के साथ राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ी भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं, जिनका वित्त पोषण राजस्थान माइन्स एंड मिनिरल्स लिमिटेड कर रहा है। शारदा वर्ल्ड स्कूल की ओर से खिलाड़ियों को खेल मैदान, जिम, स्विमिंग पूल और डाइट सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान अभियान 3 से 16 अक्टूबर तक

प्रतापगढ़ @ पदमावत मीडिया। प्रदेश में आमजन को सुरक्षित, पौष्टिक एवं स्वस्थ खान-पान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से द्वासही खान-पान, स्वस्थ राजस्थानद्व अभियान 3 से 16 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत प्रतापगढ़ जिले में भी स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सरकारी संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का संदेश द्वासुरक्षित खाएं-स्वस्थ रहें-स्थानीय खाएं-मिलावट को हराएँद्व रहेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जीव शंज मीणा ने बताया कि अभियान के दौरान जिले में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर आमजन को जागरूक किया जाएगा। विद्यार्थियों एवं आमजन को स्वस्थ एवं पौष्टिक भोजन, खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान, पैकेट बंद खाद्य सामग्री के लेबल को पढ़ने तथा कम नमक, कम तेल और कम चीनी के सेवन के लिए प्रेरित किया जाएगा। डॉ. मीणा ने बताया कि अभियान के प्रारंभिक चरण में 3 एवं 5 अक्टूबर को स्कूल ईट राइट डे के तहत विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विद्यार्थियों को स्वस्थ टिफिन, पौष्टिक नाश्ता, श्रीअन्न के उपयोग, हाथ धोने के सही तरीके तथा खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़ने की जानकारी दी जाएगी। पोस्टर, स्टोलन एवं निबंध प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। 6 एवं 7 अक्टूबर को द्दमिलावट को पहचानो-मिलावट को हराओद्व अभियान के तहत लोगों को खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति जागरूक किया जाएगा।

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से दूध, घी, तेल, मसाले एवं मिठाइयों सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान के आसान तरीकों की जानकारी दी जाएगी। आमजन द्वारा लाए गए खाद्य नमूनों की मौके पर जांच कर खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। 8 एवं 9 अक्टूबर को हेल्दी राजस्थान-हेल्दी थाली डे आयोजित किया जाएगा। इस दौरान स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने के साथ भोजन में कम नमक, कम चीनी और कम तेल के उपयोग का संदेश दिया जाएगा। फल, सब्जियां, दाल, दूध-दही एवं श्रीअन्न को दैनिक भोजन का हिस्सा बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। 11 एवं 12 अक्टूबर को रीड द लेबल-ईट राइट, ईट सेफगतिविधियां आयोजित होंगी।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में 92वें सूबेदार/उप निरीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ

286 प्रशिक्षु अधिकारियों का तीन माह का आधारभूत प्रशिक्षण प्रारंभ, आधुनिक पुलिसिंग के साथ कानून, साइबर अपराध अनुसंधान एवं ए.आई. पर रहेगा विशेष फोकस

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में 92वें सूबेदार/उप निरीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ निदेशक/विशेष पुलिस महानिदेशक, पुलिस अकादमी श्री रवि कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ। इस आधारभूत प्रशिक्षण में वर्ष 2025 बैच के चयनित कुल 286 प्रशिक्षु सूबेदार/उप निरीक्षक (182 पुरुष एवं 104 महिला) शामिल हैं। प्रशिक्षण में पारंपरिक पुलिसिंग के आधारभूत ज्ञान के साथ वर्तमान समय की पुलिसिंग आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक, साइबर अपराध अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.), नेतृत्व क्षमता, सामुदायिक पुलिसिंग एवं प्रशासनिक दक्षता जैसे विषयों को विशेष रूप से शामिल किया गया है।

आंतरिक प्रशिक्षण में कानून, प्रशासन एवं आधुनिक पुलिसिंग पर जोर

तीन माह के बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को आंतरिक प्रशिक्षण के अंतर्गत पुलिस संगठन एवं प्रशासनिक व्यवस्था, कानून का प्रारंभिक एवं व्यावहारिक ज्ञान – भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम सहित



अन्य महत्वपूर्ण अधिनियम, पुलिस कार्यप्रणाली एवं पुलिस रेग्युलेशन, व्यक्तित्व विकास, मानव व्यवहार, पुलिस में नैतिकता एवं प्रबंध कौशल एवं कम्प्यूटर अवेयरनेस एवं पुलिस कार्यों में कम्प्यूटर का प्रभावी उपयोग विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों में कानून एवं न्यायिक व्यवस्था की समझ, उप निरीक्षक/सूबेदार के अधिकार एवं सीमाओं का ज्ञान, विभिन्न राज्य एवं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय, सामुदायिक पुलिसिंग तथा अपराध अनुसंधान की व्यावहारिक दक्षता विकसित करने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।



साइबर अपराध अनुसंधान एवं ए.आई. तकनीक से कराया जाएगा परिचित

वर्तमान समय में अपराध के बदलते स्वरूप को देखते हुए प्रशिक्षण में साइबर अपराध अनुसंधान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरणों के उपयोग पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को तकनीक आधारित अपराधों की पहचान, अनुसंधान एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए आवश्यक व्यावसायिक दक्षता प्रदान करना है।

शारीरिक दक्षता, ड्रिल एवं हथियार प्रशिक्षण

बाह्य प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रशिक्षु अधिकारियों को शारीरिक एवं व्यावसायिक दक्षता के लिए फिजिकल ट्रेनिंग (पीटी) एवं



शरीर सौख्य, एथलेटिक्स एवं टीम गेम्स, बेसिक ड्रिल,आर्मस प्रशिक्षण, वेपन हैंडलिंग एवं फायरिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों में शारीरिक दक्षता के साथ अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास एवं फील्ड ड्यूटी के लिए आवश्यक व्यावहारिक क्षमता विकसित की जाएगी। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को कानून-व्यवस्था एवं अपराध अनुसंधान के साथ-साथ जनसामान्य से प्रभावी संवाद, टीम लीडरशिप, तकनीकी दक्षता, अंतर-विभागीय समन्वय एवं फील्ड स्तर पर त्वरित निर्णय लेने के लिए तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर उप निदेशक श्री रामजी श्रीवास्तव, सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) श्रीमती रश्मि पाण्डेय, सहायक निदेशक/प्रभारी पुलिस अधीक्षक, पीटीएस भोपाल श्रीमती यास्मीन जहरा सहित अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

मुस्कान क्लब का 22 सदस्यीय दल नौ दिवसीय वियतनाम यात्रा पर प्रस्थान

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं सत्य, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर मुस्कान क्लब में दोनों महान विभूतियों को सादर नमन किया गया। इस अवसर पर क्लब के 22 सदस्यीय दल को, जो श्री सूरज मल पोरवाल के नेतृत्व में नौ दिवसीय वियतनाम यात्रा पर प्रस्थान कर रहा है, पारंपरिक अभिनंदन एवं मंगलकामनाओं के साथ विदाई दी गई।



इस अवसर पर कार्यकारिणी के सदस्य के. त्रिपाठी, एम. पी. माथुर, अजीत सिंह खींची, विजय शर्मा, आर. पी. सनादय एवं अशोक चौबीसा ने यात्रा दल के सदस्यों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। सभी ने यात्रियों को सुखद, सुरक्षित एवं आनंदमय यात्रा के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल भ्रमण की मंगलकामना की। मीडिया प्रभारी प्रोफेसर विमल शर्मा ने बताया कि मुस्कान क्लब की यह यात्रा सदस्यों के लिए वियतनाम की ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक परंपराओं एवं जीवनशैली को निकट से जानने का अवसर बनेगी। साथ ही, यह सामूहिक यात्रा वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में उत्साह, उमंग, परस्पर सहयोग और सौहार्द को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी एक सार्थक पहल है। मुस्कान क्लब परिवार ने सभी 22 यात्रियों के सुखद एवं यादगार प्रवास की कामना करते हुए उन्हें शुभ यात्रा की मंगलकामनाओं के साथ विदा किया।

पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद, गांवों के सर्वांगीण विकास पर जोर जनप्रतिनिधियों के कार्यों की सराहना कर बढ़ाया उत्साह, विकास में पारदर्शिता और जनभागीदारी का किया आह्वान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद और ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में जिला स्तरीय पंचायतीराज जनप्रतिनिधि सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, नगर निगम महापौर पारस सिंघवी, समाजसेवी गजपालसिंह, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीतम कुमार सहित पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिला स्तरीय समारोह में सीधा प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों से वरुंचल संवाद किया। संवाद के दौरान सरपंचों ने ग्राम पंचायत स्तर पर किए जा रहे विकास कार्यों, ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और ग्राम हित में किए गए नवाचारों की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और ग्रामीण विकास के



लिए निरंतर सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि गांवों का विकास देश और प्रदेश के समग्र विकास की आधारशिला है। पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधि ग्रामीणों से सीधे जुड़े होते हैं और उनकी समस्याओं को सबसे पहले समझते हैं। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सरपंच और अन्य पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता, जनभागीदारी और स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने कहा कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सरकार की योजनाओं और विकास कार्यक्रमों का



प्रभावी क्रियान्वयन जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के आपसी समन्वय से ही संभव है। उन्होंने सरपंचों से गांव की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने, आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और पात्र लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। कार्यक्रम में पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद हुआ। जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों में किए गए कार्यों और अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को गति देने के साथ जनप्रतिनिधियों को सरकार की योजनाओं और प्राथमिकताओं से जोड़कर बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा।

गांधी जयंती पर एसबीआई की सामाजिक पहल, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री और सुविधाएं उपलब्ध

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रज्ञा चक्षु में ब्रेल प्लेट्स, टेलर फ्रेम सेट, अलमारियां और ध्वनि प्रणाली प्रदान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। गांधी जयंती के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्र-प्रथम, उदयपुर की ओर से सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रज्ञा चक्षु, अम्बामाता में विशेष पहल की गई। विद्यालय के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सीखने की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न उपयोगी सामग्री और संसाधन उपलब्ध कराए गए। भारतीय स्टेट बैंक की ओर से



विद्यालय को 110 ब्रेल प्लेट्स, 110 टेलर फ्रेम सेट, हिंदी एवं अंग्रेजी अल्फाबेट प्रेम सेट, 3 अलमारियां तथा कक्षाओं के लिए 15 स्पीकर्स और माइक सहित 1 पीए सिस्टम प्रदान किया गया। इन संसाधनों से विद्यार्थियों को अध्ययन और सीखने की प्रक्रिया में



सुविधा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय प्रबंधक एस. जी. ब्यास तथा विशिष्ट अतिथि एसबीआई प्रबंधक धर्मवीर भाटिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतुल भारद्वाज, योगेश अग्रवाल सहित एसबीआई के अन्य



अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। विद्यालय की ओर से प्रधानाचार्य श्रीचंद जीवानानी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। एसबीआई टीम ने विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें बैंकिंग सुविधाओं तथा एनपीएस वात्सल्य जैसी

योजनाओं की जानकारी दी। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ वित्तीय जागरूकता के महत्व से अवगत कराते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया गया।

एसबीआई की इस पहल का उद्देश्य समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं में सहयोग करना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। विद्यालय प्रशासन और अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी और सराहनीय कदम बताया।

गांधी जयंती पर रामधुन और सर्वधर्म प्रार्थना के साथ नशामुक्ति का संकल्प



उदयपुर @ पदमावत मीडिया। गांधी जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन, नगर निगम एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुलाब बाग स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पर सर्वधर्म प्रार्थना एवं रामधुन कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रेम सार्वी एवं सहयोगियों ने गांधी जी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं आमजन ने भाग लिया। कार्यक्रम में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। महापौर पारस सिंघवी ने उपस्थितजनों को नशामुक्ति एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई। वहीं बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता पोस्टर पर हस्ताक्षर कर सामाजिक कुरीति के विरुद्ध जागरूकता का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के अंत में विधायक फूल सिंह मीणा, महापौर पारस सिंघवी, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर जितेंद्र ओझा सहित अन्य ने नशामुक्ति रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज का संदेश दिया गया।

खबर संक्षेप

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए 2000 लोगों ने पिया निःशुल्क काढ़ा



आयुर्वेद विभाग एवं भारत विकास परिषद की ओर से निःशुल्क काढ़ा वितरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लगातार दूसरे दिन बड़ी संख्या में लोगों को आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाया गया। 2 अक्टूबर को स्वर्गीय हरक लाल चंडालिया की स्मृति में विमल मशीनरी के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 2000 लोगों ने काढ़े का सेवन किया। नर्सिंग ऑफिसर पवन सिंह रावल से प्राप्त जानकारी के अनुसार काढ़े का निर्माण सेवानिवृत्त उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग चितौड़गढ़ डॉ. मुरली मनोहर जोशी, डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, महेंद्र मोहन दाधीच, हीरा लाल गुर्जर, रतन लाल उपाध्याय और भैरू लाल जाट के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में लोगों ने उत्साह के साथ काढ़े का सेवन किया। काढ़ा वितरण व्यवस्था में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष भगवती लाल सोमानी, बादशाह सिंह, नंद लाल बोहरा, रमेश विजयवर्गीय, राजेंद्र काबरा, दीपक सोमानी, वीरेंद्र सिंह भाटी, मुकेश टेलर, रतनलाल आचार्य, अशोक समदानी सहित परिषद के सदस्यों ने सहयोग किया। रामद्वारा अध्यक्ष दामोदर सोमानी ने भी आयोजन में सहयोग प्रदान किया। आयोजकों ने बताया कि मौसमी बीमारियों से बचाव के उद्देश्य से निःशुल्क काढ़ा वितरण अभियान आगे भी जारी रहेगा। 3 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक आयुर्वेद विभाग एवं भारत विकास परिषद के सहयोग से निःशुल्क काढ़ा पिलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक आयुर्वेदिक काढ़े के लाभ की जानकारी पहुंचाना और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

नारी शक्ति सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम 2026 का जिला स्तरीय आयोजन 3 अक्टूबर को

डूंगरपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार के निदेशानुसार ह्वनारी शक्ति सम्मेलन एवं संवाद 2026ह्का जिला स्तरीय आयोजन 3 अक्टूबर को विजयाराजे सिंधिया ऑडिटोरियम, डूंगरपुर में किया जाएगा। जिला कलक्टर श्री देशलदान ने बताया कि जिला स्तरीय नारी शक्ति सम्मेलन एवं संवाद 2026 का आयोजन 3 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:30 बजे विजयाराजे सिंधिया ऑडिटोरियम, डूंगरपुर में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित नोडल एवं विभागीय अधिकारियों को दिए गए उत्तरदायित्व की पालना कर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छात्रावासों में मनाई गांधी जयंती

प्रतापगढ़ @ पदमावत मीडिया। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तहत जिले में संचालित समस्त छात्रावासों में महात्मा गांधी जयंती का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक , सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग डॉ. टी आर ओमेटा ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित समस्त राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समस्त छात्रावासों में पुष्पांजलि अर्पित कर महात्मा गांधी के सिद्धांतों-सत्य, अहिंसा एवं स्वच्छता पर विचार व्यक्त किए गए। विभागीय अधिकारियों एवं छात्रावास अधीक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के जीवन आदर्शों को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

पूर्व मंत्री ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे विश्वेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन्होंने कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा पर आरोप लगाने और भरतपुर-डींग की पार्टी इकाइयों पर स्थानीय निकाय चुनाव में असल पार्टी कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाने के दो दिन बाद लिया।

अहिंसा केवल आचरण नहीं, विश्व शांति का आधार है : विज्ञान समिति की संगोष्ठी में विभिन्न धर्मों के वक्ताओं ने दिया संदेश

पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। अहिंसा दिवस के अवसर पर विज्ञान समिति, अशोक नगर में विभिन्न धर्मों में अहिंसा की अवधारणा विषय पर विचारपूर्ण संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगीत से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान समिति के अध्यक्ष डॉ. के. एल. तोतावत ने की, जबकि डॉ. के. पी. तलेसरा ने विषय का परिचय दिया तथा संचालन प्रकाश तातेड़ ने किया। डॉ. के. पी. तलेसरा ने अपने विषय - परिचय में इस विचार को रेखांकित किया कि स्वर्ग का राज्य मनुष्य के भीतर ही विद्यमान है। उन्होंने अहिंसा को बाहरी आचरण के साथ - साथ अंतर्मन की शुद्धता और आत्मचेतना से जोड़कर देखने की आवश्यकता बताई। उन्होंने डेविड थोरो के विचारों का भी संदर्भ दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महात्मा गांधी का जीवन और उनका अहिंसा का दर्शन अनेक महान व्यक्तित्वों और विचारों से प्रेरित हुआ था। वक्ताओं में डॉ. आर. के. गर्ग ने कहा कि सत्य और अहिंसा एक-दूसरे से अविभाज्य हैं।



उन्होंने मानसिक, वाचिक और शारीरिक हिंसा के विभिन्न रूपों की चर्चा करते हुए कर्म के सिद्धांत को समझाया। रामायण एवं महाभारत के प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने बताया कि भारतीय परंपरा में हिंसा-अहिंसा और कर्म के परिणामों को लेकर गहन चिंतन मिलता है। डॉ. पी. एम. अग्रवाल ने जैन दर्शन में अहिंसा की व्यापक अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने तत्त्वार्थ सूत्र के संदर्भ में हिंसा के चार भेदों को समझाया तथा गृहस्थ जीवन में संकल्पपूर्वक हिंसा को शून्य करने और अनुव्रत के रूप में अहिंसक जीवनशैली

अपनाने पर बल दिया। उन्होंने सात बुरी आदतों के प्रति भावना विकसित करने का आान किया। फादर जोबिन एसपीडी ने ईसाई दृष्टिकोण से अहिंसा की व्याख्या करते हुए कहा कि हमारे विचार और शब्द सदैव शुद्ध होने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सहिष्णुता और क्षमा की विशेष आवश्यकता है। हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि बढ़ती है। मानसिक शांति और संवाद के माध्यम से ही समस्याओं का समाधान संभव है। इंजीनियर फारूक ओमान ने कुरआन की आयतों के माध्यम से निर्दोष व्यक्ति की जान

लेने तथा किसी व्यक्ति का जीवन बचाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बदला लेने में सक्षम होने के बावजूद ईसाफ, रहम और माफ़ी का रास्ता अपनाना अहिंसा और मानवीयता का महत्वपूर्ण स्वरूप है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अहिंसा कायराता नहीं, बल्कि साहस और आत्मसंयम है। सुजान सिंह ने समाज से अस्पृश्यता को जड़-मूल से समाप्त करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक भेदभाव भी व्यापक अर्थों में हिंसा का स्वरूप है। आर. के. नेभनानी ने अद्वैतवाद और अहिंसा के संबंध पर विचार व्यक्त करते हुए प्रश्न उठाया कि जब विश्व के सभी प्रमुख धर्म शांति का संदेश देते हैं, तो फिर विश्व में अशांति के मूल कारण क्या हैं। उन्होंने आत्मचिंतन और मानवीय दृष्टिकोण को इसका महत्वपूर्ण समाधान बताया। प्रो. प्रेम सुमन ने बौद्ध धर्म में अहिंसा की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न धर्मों के तुलनात्मक अध्ययन का उल्लेख किया। उन्होंने बोधि और धर्मपथ के माध्यम से करुणा, मैत्री और आत्मबोध को अहिंसक जीवन का आधार बताया। प्रो. विमल शर्मा ने अहिंसा को

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से समझाते हुए डॉ. ब्रू लेन से जुड़े होहोपोनोपोनो से हिंसक मरीजों को ठीक करने के उदाहरण का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इस उदाहरण में मानसिक रूप से आक्रामक मरीजों के प्रति क्षमा, आत्मचिंतन और सकारात्मक मानसिकता के माध्यम से परिवर्तन की अवधारणा सामने आती है। उन्होंने कहा कि हिंसक मानसिकता को भी करुणा, क्षमा, आत्मशुद्धि और सकारात्मक संवाद के माध्यम से अहिंसक दिशा दी जा सकती है। अध्यक्षीय उद्घोषन में डॉ. के. एल. तोतावत ने कहा कि अहिंसा को केवल शारीरिक हिंसा से बचने तक सीमित नहीं रखा जा सकता। मन, वचन और कर्म की शुद्धता, सहिष्णुता, क्षमा और परस्पर सम्मान इसके आवश्यक अंग हैं। कुल प्रमुख डॉ के एल कोठारी ने कहा कि संगोष्ठी में यह संदेश प्रमुखता से उभरा है कि अहिंसा केवल किसी को चोट न पहुंचाने का नाम नहीं, बल्कि मन में द्वेष न रखना, वाणी में कटुता से बचना, क्षमा करना, असहमति में भी संवाद बनाए रखना और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना है। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश तातेड़ ने किया।

कानोड़ में राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का रोमांच, 90 टीमों के 1080 खिलाड़ी ले रहे भाग

आठ कोर्ट पर लगातार लीग मैच, खिलाड़ियों के लिए आवास और सात्विक भोजन की व्यवस्था

पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : दीपक शर्मा

कानोड़। नगर पालिका क्षेत्र के तुलसी अमृत निकेतन संस्थान की मेजबानी में आयोजित 17 व 19 वर्षीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन आठ कोर्ट पर लगातार लीग मैच खेले गए। विभागीय कार्मिक, शारीरिक शिक्षक एवं कोच ने प्रत्येक कोर्ट पर मैचों का आयोजन करवाया। प्रतियोगिता में राज्यभर की 90 टीमों के 1080 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए संस्थान के संचालक मनोज भनावत अपनी पूरी टीम के साथ व्यवस्थाओं की निगरानी कर आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। वे स्वयं मैदान पर विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साह बढ़ा रहे हैं। धारीवाल स्टेडियम में कबड्डी के मैच आयोजित हो रहे हैं, जबकि एक साथ 1080 खिलाड़ियों और उनके



कोच के लिए जवाहर जैन छात्रावास में आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई गई है। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए छात्रावास की भोजनशाला में शुद्ध सात्विक भोजन की व्यवस्था भी की गई है। कोच अनिल शर्मा और चतुर उ.मा. विद्यालय के व्याख्याता निर्मल पुरोहित ने बताया कि तीन दिन तक सभी टीमों के लीग मैच होंगे। इसके बाद विजेता टीमों के बीच नॉकआउट मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ी कानोड़ नगर के ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी लेते नजर



आए। वहीं तुलसी अमृत निकेतन संस्थान की 40 वर्षों की उपलब्धियों को दर्शाते शानदार प्रवेश द्वार पर खिलाड़ी सेल्फी लेते भी दिखाई दिए।

माहेश्वरी चौहान ने जीता कांस्य पदक, महिला स्कीट टीम स्पर्धा में मिली सफलता

पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

राजसमंद। केलवा निवासी माहेश्वरी चौहान ने एशियन गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीतकर जिला राइफल संघ की शूटिंग रैंज में अभ्यास करती हैं। उनका विवाह राजसमंद के पूर्व सांसद श्री हरिओम सिंह के परिवार में श्री अधिराज सिंह के साथ हुआ है। जिला खेल अधिकारी धर्मदेव सिंह ने बताया कि 4 जुलाई 1996 को जालौर जिले के सियाणा गांव में जन्मी माहेश्वरी को निशानेबाजी की प्रेरणा अपने परिवार से मिली। उनके दादा श्री गणपत सिंह एवं पिता श्री प्रदीप सिंह भी राष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज रहे हैं। बेटी के प्रशिक्षण के लिए उनके पिता ने गांव में निजी शूटिंग रेंज का निर्माण कराया था। माहेश्वरी ने दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से अपनी कॉलेज शिक्षा पूरी की।

ऑक्टोव 2026 : मणिपुरी रास, कॉस्ट्यूम शो और कोरियोग्राफिक प्रस्तुति में झलकी नॉर्थ ईस्ट की संस्कृति



पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर / जयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आरआईसी के सहयोग से आरआईसी में आयोजित किए जा रहे ऑक्टोव 2026 में दूसरे दिन शुक्रवार को कॉस्ट्यूम शो में पूर्वोत्तर के आठ स्टेट, जिन्हें सेवन सिस्टर्स एंड वन ब्रदर (सिविकम) कहते हैं, जिनके परिधान पहने युवक युवतियों ने हर राज्य की एक-एक पारंपरिक हैंडमेड पोशाक पहन कर मंच पर आते ही खूब वाहवाही लुटी। इसके बाद ये युवक युवतियों (मॉडल्स) दो-दो के जोड़े में आए और दो परिधनों का मुजाहिरा किया। और, अंत में सभी आठ मॉडल्स ने एक साथ मंच पर आकर समग्र खूबसूरत और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक परिधानों का प्रदर्शन किया। इस शो में दर्शकों ने जहां पूर्वोत्तर के पारंपरिक परिधानों को पहचाना, वहीं इनकी प्रस्तुति की जमकर तारीफ भी की। कई दर्शकों का कहना था कि इन्हें देखना न केवल नई अनुभूति रही, बल्कि नॉर्थ ईस्ट की संस्कृति को लाइव समझने का भी सुअवसर भी मिला। पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक डॉ अश्विन एम दलवी ने कार्यक्रम में आए कभर नवीन जैन, प्रो. मायारानी टाक, संस्कृति मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी लक्ष्मी कांत मंडल और हेउड के पूर्व निदेशक देवेन्द्र कुमार धोधावत का अंगवस्त्र प्रदान कर अभिनंदन किया। कॉस्ट्यूम शो के बाद शास्त्रीय नृत्य मणिपुरी रास ने दर्शकों का मनमोहक मुरली की धुन छेड़ना, उसे सुन राधा और गोपियां आना, फिर उनकी रासलीला के दृश्य ने दर्शकों के सामने पुराणों में वर्णित गोकुल में रास को जीवंत कर दिया। मणिपुरी



रास लोक नृत्य मणिपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण और राधा की प्रेम कथाओं और वैष्णव भक्ति परंपरा पर आधारित इस नृत्य में पात्रों की शारीरिक मुद्राओं, हाथों के इशारों और भाव-भंगिमाओं में लास्य (कोमल और मधुर भाव) ने इसे द्विगुणित कर दिया। इस मनमोहक नृत्य में मुख्य रूप से पुंग (मणिपुरी मृदंग) और करताल का उपयोग किया गया। इस नृत्य में पात्रों की मणिपुरी संस्कृति की झलक देने वाली वेशभूषा ने भी जयपुर के कला रसिकों की खूब सराहना पाई। कृष्ण जहां नटवर वेश में रास करते हैं, वहीं राधा और गोपियां पोपलॉव (मणिपुरी) वेश में नृत्य करते देख दर्शक सम्मोहित से हो गए। नृत्य के अंतिम चरण में राधा-कृष्ण की जुगल जोड़ी के पूजन और आरती के दृश्य ने अख्यात्म का भाव जगा दिया।

कोरियोग्राफिक प्रस्तुति ने रझाया-

अंत में पूर्वोत्तर के आठों राज्यों की संयुक्त कोरियोग्राफिक प्रस्तुति ने धूम मचा दी। पेशकश की शुरुआत अरुणाचल प्रदेश के ताई खेपती नृत्य से हुई, जिसे पिक्को (मोर) डांस कहा जाता है, भगवान बुद्ध के प्रति आध्यात्मिकता जगा गया। वहीं, अरुणाचल के ही जुजु-जाजा नृत्य ने भी दर्शकों को आनंदित कर दिया। मणिपुर के पुंग टोल चोलम (पारंपरिक टोल) गले में लटकाए नर्तकों ने कलाबाजियां खते हुए दर्शकों में ऊर्जा का संचार कर दिया। वहीं, मणिपुर के ही थांगटा (थांग यानी तलवार और टा मतलब भाला) के स्टिक डांस रूप में युद्ध कौशल का जोश जगाया, वहीं लाई हारोबा डांस ने भी खूब वाद पाई। इन नृत्यों ने दर्शकों को दाद देने को मजबूर कर दिया।

गांधी जयंती पर सलूबर में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि सत्य और अहिंसा के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

सर्वधर्म प्रार्थना सभा, सामूहिक रामधुन और नशा मुक्ति की शपथ का हुआ आयोजन

पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

सलूबर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित गांधी चौक पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक शांता अमृत लाल मीणा, जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनेद पी पी, नगर परिषद सभापति नरेश जैन, उपसभापति लव व्यास, कैलाश गांधी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों एवं उपस्थितजनों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सत्य, अहिंसा, सादगी, स्वच्छता, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता के आदर्शों को स्मरण किया। जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनेद पी पी ने कहा कि गांधीजी का जीवन सत्य, अहिंसा, सादगी, राष्ट्रभक्ति और जनसेवा के मूल्यों को समर्पित रहा। उनके आदर्श आज भी समाज और प्रशासन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने संवेदनशीलता, पारदर्शिता, ईमानदारी एवं सेवा



भावना के साथ दायित्वों का निर्वहन करने तथा गांधीजी के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। विधायक शांता अमृत लाल मीणा ने कहा कि महात्मा गांधी ने समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके सत्य, अहिंसा, सद्भाव एवं सामाजिक समानता के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न धर्मों की प्रार्थनाओं का वाचन किया गया। इसके बाद रामधुन एवं गांधीजी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति हुई तथा उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से रामधुन का गायन किया।



कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने महात्मा गांधी के बताए मार्ग पर चलने तथा सत्य, अहिंसा, सद्भाव और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। साथ ही युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने और नशा मुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई गई।

जिला स्तरीय रोजगार उत्सव में 23 नवनि्युक्त कार्मिकों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

राजसमंद। जिला स्तरीय रोजगार उत्सव शुक्रवार को बी.एल. व्यास मेमोरियल सभागार में आयोजित हुआ। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने नवनि्युक्त कार्मिकों को वरुंअल माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं नवनि्युक्त कार्मिकों ने मुख्यमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण सुना। मुख्यमंत्री के संबोधन के पश्चात अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री राकेश कुमार कर्स्वा ने सभी 23 नवनि्युक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित कर



शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. अरुण कुमार सिंह, उप निदेशक श्री सतीश शर्मा, उप निदेशक श्री पुनोत्तम पक्की, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी श्री जगदीश जीनगर सहित विभागीय कर्मचारी एवं नवनि्युक्त कार्मिक उपस्थित रहे।



शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. अरुण कुमार सिंह, उप निदेशक श्री सतीश शर्मा, उप निदेशक श्री पुनोत्तम पक्की, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी श्री जगदीश जीनगर सहित विभागीय कर्मचारी एवं नवनि्युक्त कार्मिक उपस्थित रहे।



शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. अरुण कुमार सिंह, उप निदेशक श्री सतीश शर्मा, उप निदेशक श्री पुनोत्तम पक्की, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी श्री जगदीश जीनगर सहित विभागीय कर्मचारी एवं नवनि्युक्त कार्मिक उपस्थित रहे।